30-11-19
(Morning)
2891

किसी भी कथन के अर्थपूर्ण होने के लिए ए० जे० एअर द्वारा निर्धारित अर्थपूर्णता की कसौटी को समझाइए। उन्हें क्यों लगता है कि तत्त्वमीमांसा के कथन, विशुद्ध तथ्यात्मक कथन नहीं हैं ?

6. With reference to Ayer's text, explain with examples how metaphysical statements come to be made. How does faulty grammar contribute in the production of such statements ?

Ayer के पाठ के संदर्भ में, उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए कि तत्त्वमीमांसिक कथन बनते कैसे हैं ? दोषपूर्ण व्याकरण ऐसे कथनों के उत्पादन में कैसे योगदान देता है ?

7. Briefly discuss the truisms which Moore claims to know with certainty to be true in his essay "A Defence of Common Sense". Analyse his claim that other people likewise know for certain the truth of comparable truisms about themselves.

उन स्वयंसिद्ध सच्चाईयों पर संक्षेप में चर्चा करें, जो मूर ने अपने निबंध "ए डिफेंस ऑफ कॉमन सेंस" में निश्चितता के साथ जानने का दावा किया है। उनके इस दावे का विश्लेषण करें कि इसी तरह अन्य लोग भी अपने बारे में तुलनीय सच्चाईयों की सत्यता को जानते हैं।

OR

अथवा

8. State and examine Moore's distinction between physical facts and mental facts.

भौतिक तथ्य और मानसिक तथ्य के बीच मूर के भेद का कथन एवं परीक्षण कीजिए।

30/11/2019 (M)

(18)

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2891**

Unique Paper Code : 12101501

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy (CBCS)**

Name of the Paper : Analytic Philosophy

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Attempt **five** questions in all, taking at least **three** questions from **Section-A** and **two** questions from **Section-B**.

कम से कम **खण्ड-अ** से **तीन** प्रश्न और **खण्ड-ब** से **दो** प्रश्नों को लेते हुए कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

(d) **All** questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Section-A
खण्ड-अ

1. According to Russell ".... the real table, if there is one, is not immediately known to us at all, but must be an inference from what is immediately known." Elucidate the distinction between appearance and reality in the light of this statement.
रसेल के अनुसार ".... असली मेज, अगर ऐसा कुछ है, तो यह हमें तुरंत बिलकुल भी ज्ञात नहीं होता, लेकिन जो तुरंत जाना जाता है उससे अनुमानित ही हो सकता है"। इस कथन के परिप्रेक्ष्य में प्रत्यक्ष और वास्तविकता के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

2. "Thus, every principle of simplicity urges us to adopt the natural view that there really are objects other than ourselves and our sense data which have an existence not dependent upon our perceiving them". Critically analyse this statement made by Russell.
"इस प्रकार, सादगी का प्रत्येक सिद्धांत हमें स्वाभाविक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्ररित करता है कि वास्तव में हम और हमारी सेंस डाटा के अलावा अन्य वस्तुएं भी हैं। जिनकी सत्ता हमारे प्रत्यक्ष करने पर निर्भर नहीं करता"। रसेल के इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. What are Russell's views regarding the nature of matter existing independently of our perception ? In this context examine the concepts of space and time.
हमारे प्रत्यक्ष करने से स्वतंत्र रूप से मौजूद पदार्थ की प्रकृति के बारे में रसेल के विचार क्या हैं ? इस संदर्भ में दिक् एवं काल की अवधारणाओं की जांच कीजिए।

4. Russell considers knowledge by acquaintance to be direct and immediate knowledge while knowledge by description is indirect, mediated and inferential knowledge. Analyse this distinction between knowledge by acquaintance and knowledge by description.
रसेल परिचय द्वारा ज्ञान को अपरोक्ष और तत्काल ज्ञान जबकि वर्णन द्वारा ज्ञान को अप्रत्यक्ष, मध्यस्थ और आनुमानिक ज्ञान मानते हैं। परिचय द्वारा ज्ञान एवं वर्णन द्वारा ज्ञान के बीच के इस अंतर का विशलेषण कीजिए।

Section-B
खण्ड-ब

5. Explain the criterion of significance set down by A. J. Ayer for any statement to be meaningful. Why does he think metaphysical statements are not genuine factual propositions ?